Seat No. : _____

AL-104

April-2016

B.A., Sem.-IV

211 : Hindi (Elective)

प्रयोजनमूलक हिन्दी

(मीडिया के क्षेत्र में लेखन कला और कौशल)

Time : 3 Hours] **[Max. Marks : 70**

सूचना : **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. लेखन का तात्पर्य स्पष्ट करते हुए लेखन कौशल के विकास पर प्रकाश डालिए । **14**

अथवा

लेखन के मूल तत्त्वों का परिचय देते हुए लेखन के विविध आयामों की चर्चा कीजिए ।

2. रेडियो का परिचय देकर रेडियो के प्रमुख कार्यों का विवरण दीजिए । **14**

अथवा

रेडियो लेखन की चर्चा करते हुए रेडियो के लेखकीय उपकरणों का परिचय दीजिए ।

3. टेलीविजन का परिचय देते हुए टेलीविजन धारावाहिक लेखन के मौलिक तत्त्वों का परिचय दीजिए । **14**

अथवा

उद्‌घोषणा का परिचय देकर उद्‌घोषणा लेखन के मुख्य बिन्दुओं की विस्तृत चर्चा कीजिए ।

4. (अ) टिप्पणी लिखिए : **7**

टेलीविजन आलेख के प्रकार

अथवा

टेलीविजन के लिए लेखन

(ब) उद्‌घोषक की भाषा **7**

अथवा

उद्‌घोषक के लिए जरूरी बातें

5. सूचनानुसार लिखिए :

(क) सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : **5**

(1) लेखन के मूल तत्त्व _____ हैं । (चार, पाँच, छ:)

(2) रेडियो की खोज _____ ने की । (गुग्लियो मार्कोनी, ग्राहम बेल, आइन्सटाईन)

(3) टेलीविजन _____ माध्यम है । (श्रव्य, दृश्य, दृश्य-श्रव्य)

(4) भारत में आकाशवाणी का प्रसारण _____ में प्रारंभ हुआ । (1815, 1926, 1982)

(5) प्रथम दूरदर्शन केन्द्र का उद्घाटन _____ ने किया । (नेहरूजी, शास्त्रीजी, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद)

(ख) सही गलत की पहचान कीजिए : **5**

(1) उद्घोषणा को आकाशवाणी के कार्यक्रम का प्रवेशद्वार माना जाता है ।

(2) भारत में टेलीविजन का आगमन 1982 में हुआ ।

(3) मार्कोनी को टेलीग्राम द्वारा संदेश प्राप्त करने में सर्वप्रथम सफलता मिली ।

(4) रेडियो के संवाद वर्णनात्मक शैली में लिखे जाने चाहिए ।

(5) वार्ता साहित्य को अंग्रेजी में 'स्पोकन वर्ड' कहते हैं ।

(ग) सही जोड़ मिलाइए : **4**

	अ		**ब**
(1)	लेखन का अर्थ	(1)	भाषा की सरलता
(2)	रेडियो लेखन की विशेषता	(2)	भावों की अभिव्यक्ति
(3)	उद्घोषणा का कार्य	(3)	हिन्दी भाषा के विविध रूपों का प्रयोग
(4)	दूरदर्शन की भाषा	(4)	सूचना देना

Seat No. : _____

AL-104

April-2016

B.A., Sem.-IV

211 : Hindi (Elective)

(खण्डकाव्य – प्रवाद पर्व)

Time : 3 Hours] **[Max. Marks : 70**

सूचना : (1) प्रत्येक प्रश्न के उत्तर सूचनानुसार लिखे ।

(2) किसी भी प्रश्न के सभी विभागों के उत्तर एक साथ लिखें ।

(3) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में ना लिखकर पूरे वाक्य में लिखें ।

1. 'प्रवाद पर्व' के आधार पर राम का चरित्र चित्रण कीजिए । **14**

अथवा

नरेश मेहता के व्यक्तित्व और कृतित्त्व पर प्रकाश डालिए ।

2. खण्डकाव्य के रूप में 'प्रवाद पर्व' का मूल्यांकन कीजिए । **14**

अथवा

'प्रवाद पर्व' के आधार पर भरत का चरित्र चित्रण कीजिए ।

3. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : **14**

(अ) 'प्रवाद पर्व' का शीर्षक

अथवा

'प्रवाद पर्व' की भाषा

(ब) 'प्रवाद पर्व' का उद्देश्य

अथवा

लक्ष्मण का चरित्र

4. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : **14**

(अ) "कैसा है यह
सृष्टि का रहस्य
कैसी है यह
आदिम जिज्ञासा वाली
अग्निपरीक्षा
जो मनुष्य मात्र की नियति है ।"

अथवा

"राजा को
न्याय को समग्र मानवता के
विशाल परिप्रेक्ष्य में ही देखना चाहिए ।"

(ब) "इतिहास
खडग से नहीं
मानवीय उदात्तता से लिखा जाना चाहिए ।"

अथवा

"हम का यह विस्तार
हम की यह प्रभुता ही
आसुरी भाव है, रावणत्व हैं ।"

5. सूचनानुसार लिखिए :

(अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : **7**

(1) प्रवाद पर्व काव्य का नायक _____ हैं । (भरत, राम, लक्ष्मण)

(2) नरेश मेहता का निधन सन् _____ में हुआ था । (1922, 1992, 2000)

(3) नरेश मेहता का मूल नाम _____ हैं । (पूर्णशंकर शुक्ल, बैधनाथ मिश्र, सुदामा पांडेय)

(4) प्रवाद पर्व की कथा _____ पर्वों में विभाजित हैं । (पाँच, सात, आठ)

(5) 'न्याय समदर्शी होता हैं प्रभु ।' – यह कथन _____ का हैं । (भरत, राम, लक्ष्मण)

(6) _____ काव्य संग्रह पर नरेश मेहता को साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला था ।
(बोलने दो चीड को, अरण्या, देखना एक दिन)

(7) 'देवी की तुलना किसी अन्य से करना' – कथन _____ का हैं । (लक्ष्मण, भरत, राम)

(ब) सही या गलत निशान लगाइए : **7**

(1) 'प्रवाद पर्व' की कथा का आधार रामायण हैं ।

(2) 'प्रवाद पर्व' के पाँचवे पर्व का नाम 'प्रतिइतिहास और निर्णय' हैं ।

(3) नरेश मेहता का जन्म सन् 1922 में हुआ था ।

(4) 'सरोवर के फूल' नरेश मेहता का उपन्यास हैं ।

(5) 'प्रवाद पर्व' का अंगी रस शांत हैं ।

(6) 'संशय की एक रात' – नरेश मेहता का नाटक हैं ।

(7) 'अपराध ही नहीं यह राजद्रोह हैं' – कथन लक्ष्मण का हैं ।